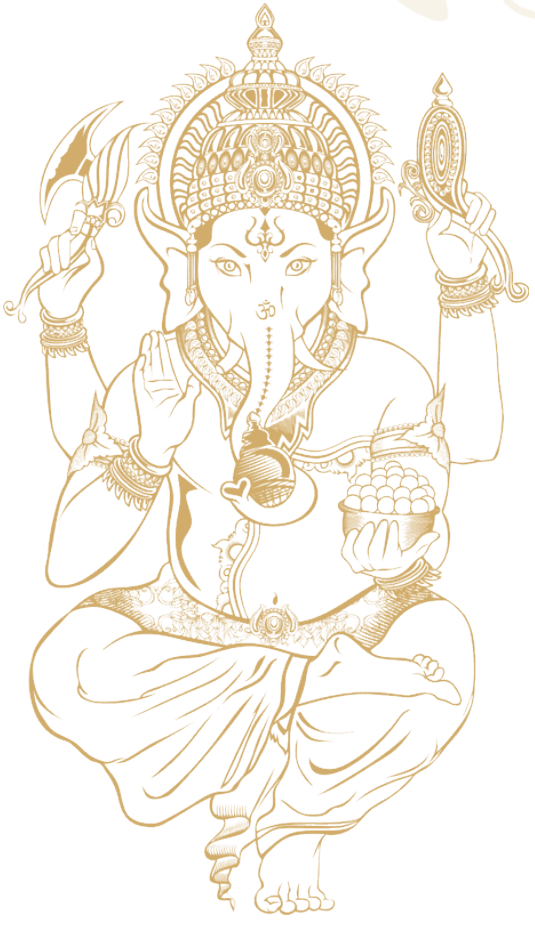

mr.lakshya

Ms.purnima

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121124803

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
22/07/2003	जन्म तिथि	9-10/08/2005
मंगलवार	दिन	मंगल-बुधवार
घंटे 16:10:00	जन्म समय	01:00:00 घंटे
घटी 26:00:51	जन्म समय(घटी)	47:42:03 घटी
India	देश	India
Jaipur	स्थान	Delhi
26:53:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
75:50:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:40	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:45:39	सूर्योदय	05:46:58
19:20:32	सूर्यास्त	19:05:45
23:54:11	चित्रपक्षीय अयनांश	23:56:03

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शुक्र 13वर्ष 2मा 14दि		20:50:25	वृश्चिक	लग्न	वृष	18:34:56	चन्द्र 6वर्ष 4मा 11दि	
चन्द्र		05:19:30	कर्क	सूर्य	कर्क	23:21:39	राहु	
05/10/2022		17:51:43	मेष	चंद्र	कन्या	14:50:46	21/12/2018	
05/10/2032		15:54:57	कुंभ	मंगल	मेष	13:04:28	21/12/2036	
चन्द्र	06/08/2023	22:53:19	कर्क	बुध व	कर्क	16:57:49	राहु	02/09/2021
मंगल	06/03/2024	28:20:54	कर्क	गुरु	कन्या	20:42:15	गुरु	27/01/2024
राहु	05/09/2025	27:48:24	मिथु	शुक्र	सिंह	27:21:42	शनि	03/12/2026
गुरु	05/01/2027	12:18:15	मिथु	शनि	कर्क	09:11:25	बुध	21/06/2029
शनि	05/08/2028	03:38:51	वृष	राहु व	मीन	21:10:17	केतु	10/07/2030
बुध	05/01/2030	03:38:51	वृश्चिक	केतु व	कन्या	21:10:17	शुक्र	10/07/2033
केतु	06/08/2030	08:09:25	कुंभ व	हर्ष व	कुंभ	15:42:35	सूर्य	03/06/2034
शुक्र	05/04/2032	18:14:17	मक व	नेप व	मक	22:14:17	चन्द्र	03/12/2035
सूर्य	05/10/2032	23:41:26	वृश्चिक व	प्लूटो व	वृश्चिक	28:02:03	मंगल	21/12/2036

लग्न-चलित

लग्न-चलित

FUTUREPOINT Astro Solutions
एक्स-35, ओखला फेज-2, नई दिल्ली-110020 फोनः- 011-40541000, 40541020
Web: www.futurepointindia.com, e-mail: mail@futurepointindia.com

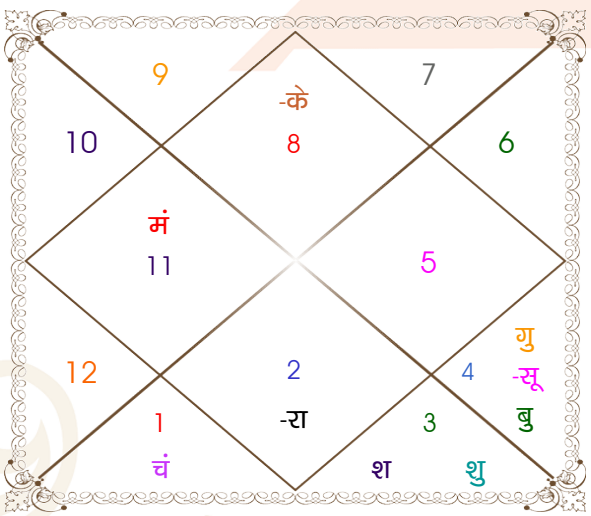

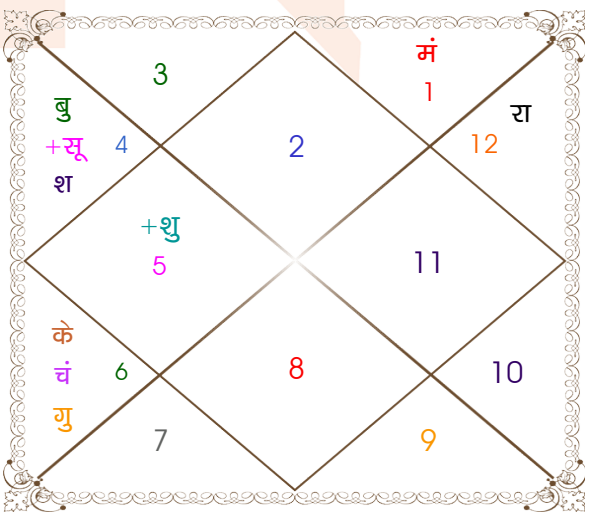

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	क्षत्रिय	वैश्य	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	मित्र	विपत	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गज	महिष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	बुध	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	देव	6	5.00	--	सामाजिकता
भकूट	मेष	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	20.00		

भकूट दोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता नहीं है।

उतप्सोंलं का वर्ग मृग है तथा Ms.purnima का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार उतप्सोंलं और Ms.purnima का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

उतप्सोंलं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

Ms.purnima मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल Ms.purnima कि कुण्डली में द्वादश भाव में मेष राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल Ms.purnima कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन

हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Ms.purnima कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

उतप्सोंीलं तथा Ms.purnima में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।